

मध्य प्रदेश तीर्थ यात्रा योजना

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वरषिठ नागरिकों के लिये सरकार की तीर्थ यात्रा योजना का वसितार करने और राज्य के धार्मिक स्थलों को इसमें शामिल करने के नरिदेश दिये हैं।

मुख्य बदि:

- **मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना**, जिसके तहत लोग देश के वभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करते हैं, वर्ष 2012 में शुरू की गई थी।
- मध्य प्रदेश के अधिकांश लोग राज्य की भौगोलिक बनावट के कारण वभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करने में असमर्थ हैं, जिससे वे अपने राज्य की अनूठी वशिषताओं से अनभिज्ञ रह जाते हैं।
 - इस योजना का वसितार कथिा जाना चाहिये जिससे वरषिठ नागरिक न केवल देश भर के प्रसदिध तीर्थ स्थलों, बल्कि मध्य प्रदेश के उललेखनीय धार्मिक स्थलों के दर्शन भी कर सकें।
- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कः:
 - मेधावी वदियार्थियों को ऐतहिसकि महत्त्व के महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराने की सुवधिा प्रदान करने के लिये एक योजना तैयार करें।
 - जनजातीय बहुल क्षेत्रों के लोक कलाकारों को पर्यटन स्थलों तक आने का अवसर प्रदान करना, जहाँ वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

- इसे जून 2012 में मध्य प्रदेश सरकार के धार्मिक न्यास और धर्मस्व वभिग द्वारा शुरू कथिा गया था।
- इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार राज्य के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरषिठ नागरिकों (महिलाओं के लिये 2 वर्ष की छूट) को राज्य से बाहर नरिधारति तीर्थ यात्रा के लिये एकमुश्त सहायता प्रदान करती है।
- इस योजना में राज्य के वरषिठ नागरिकों को मुफ्त यात्रा की सुवधिा दी जाती है।
 - तीर्थयात्रियों को वशिष रेलगाड़ी से यात्रा, नाश्ता, भोजन, शुद्ध पेयजल, तीर्थ स्थानों पर ठहरने आदिकी व्यवस्था की जाती है।